|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | |  | | | | | Dodavatel |  | Odběratel |  | | **Tritón Pardubice, spol. s r.o.** | | |  | | --- | | **Střední odborné učiliště plynárenské Pardubice** | | | | č. p. 130 | | |  | | --- | | Poděbradská 93 | | | | 530 02 Starý Mateřov | | |  | | --- | | 530 09 Pardubice II | | | | Česká republika | | |  | | --- | | Česká republika | | | | |  | | --- | | Spol.zapsána v OR ved. Kraj.soudem v HK, oddíl C, vložka 5386 | | |  | | | Číslo bankovního účtu | 6836992/0800 |  | | | IBAN | CZ37 0800 0000 0000 0683 6992 |  |  | | Kód SWIFT | GIBACZPX |  |  | | IČ: 60110422 | DIČ: CZ60110422 | IČ: 15050670 | DIČ: není plátce DPH | |  | | | | |  | | | | |  | | | | | Datum dokladu | 6. 10. 2023 | Příjemce | | | Číslo objedn. zákazníka | 63/2023, Radka Rejnková | **Střední odborné učiliště plynárenské Pardubice** | | | Způsob dodávky | Pardubice II | Radka Rejnková | | | Způsob platby | Platba bankovním převodem | Poděbradská 93 | | | Platební podmínka | Splatnost 17 dní | 530 09 Pardubice II | | |  |  | Česká republika | | |  |  |  | | | |  | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Označení produktu** | **Název produktu** |  | **Množství** | | | **Cena/jed.** | | | **Celkem** | **Termín** | | UXAT23-0005-50 | Náhradní dveře IS pro skelet zákazníka - SOU PLYNÁRENSKÉ, cyl. zámek, RAL5005 | | | 222 | | ks | 612,00 | | 135 864,00 | 46/2023 | | Doprava tuzemsko |  | | | 1 | | ks | 500,00 | | 500,00 |  | | Balné |  | | | 1 | |  | 2 000,00 | | 2 000,00 |  | | Zaokrouhlení částky faktury |  | | | 1 | |  | 0,05 | | 0,05 |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | |  | **Částka celkem CZK** | | | | | | **138 364,05** | | |  | |  | DPH celkem CZK | | | | | | 29 056,45 | | |  | |  | **Částka celkem CZK** | | | | | | **167 420,50** | | |  | | |  | | | |
|  |  |  |
| |  | | --- | | *Zákazník tímto bere na vědomí, že výše uvedené ceny jsou pouze orientační, a to vzhledem k mimořádným a nepřekonatelným tržním okolnostem souvisejícím s nepředvídatelným vývojem v oblasti mezinárodních vztahů v souvislosti s ruskou invazí na Ukrajinu, a dále vzhledem k doznívajícím dopadům pandemie Covid-19. Prodejce je oprávněn změnit ceny výrobků před jejich dodáním, dojde-li ke změně cen vstupního materiálů, energií nebo směnného kurzu k české koruně, nejpozději však 14 dnů před řádným dodáním zboží. V případě, že zákazník nesouhlasí s novou cenou, je oprávněn zrušit objednávku do 5 dnů od oznámení o změně cen. Smluvní vztah založený touto objednávkou a jejím potvrzením se řídí obchodními podmínkami dostupnými www.triton.cz , pokud není dohodnuto jinak.* | | |  |
|  |  |  |
| |  | | --- | | *Přijetí nabídky s dodatkem či odchylkou, včetně těch nepodstatných, se vylučuje a taková nabídka s dodatkem či odchylkou bude považována za novou nabídku.* | | |  |
|  |  |  |
| |  | | --- | | *Část obsahu uzavírané smlouvy je určena odkazem na obchodní podmínky společnosti Tritón Pardubice, spol. s r.o., které představují jediné platné a účinné obchodní podmínky vztahující se k uzavírané smlouvě. Jakékoli jiné obchodní podmínky nemohou být součástí obsahu uzavírané smlouvy, ledaže dojde k jejich přijetí navrhovatelem.* | | |  |
|  |  |  |
| |  | | --- | | *Navrhovatel tímto vylučuje přijetí této nabídky s dodatkem či odchylkou ve smyslu ust. § 1740 odst. 3 věta druhá zákona č. 89/2012 Sb., občanský zákoník, v platném znění, kdy dodatkem se rozumí i odkaz příjemce nabídky na vlastní obchodní podmínky. Dojde-li k přijetí této nabídky s dodatkem či odchylkou, nemá takové přijetí za následek uzavření smlouvy.* | | |  |
|  |  |  |
| |  | | --- | | **Na základě tohoto potvrzení neprovádějte prosím žádné platby.** | | |  |
|  |  |  |
| |  | | --- | |  | | |  |
|  |  |  |